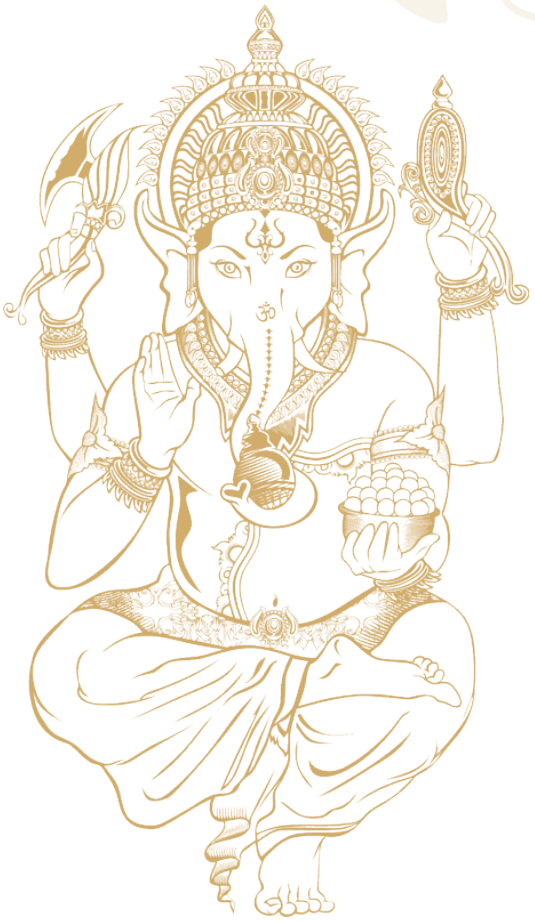

Samarth jain

Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121340303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/07/1997	जन्म तिथि	17/06/1999
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	11:37:00 घंटे
घटी 15:50:54	जन्म समय(घटी)	15:34:34 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:38	सूर्योदय	05:23:10
19:15:11	सूर्यास्त	19:20:41
23:49:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:46

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 14वर्ष 8मा 29दि		02:12:32	तुला	लग्न	सिंह	22:05:55	बुध 13वर्ष 10मा 26दि	
चन्द्र		10:26:41	कर्क	सूर्य	मिथु	01:47:25	शुक्र	
26/04/2018		16:50:04	मेष	चंद्र	कर्क	19:05:37	13/05/2020	
26/04/2028		25:27:23	कन्या	मंगल	तुला	01:39:57	13/05/2040	
चन्द्र	25/02/2019	06:29:08	सिंह	बुध	मिथु	23:54:48	शुक्र	12/09/2023
मंगल	26/09/2019	24:52:30	मक व	गुरु	मेष	04:15:59	सूर्य	12/09/2024
राहु	27/03/2021	10:39:11	सिंह	शुक्र	कर्क	17:01:10	चन्द्र	13/05/2026
गुरु	27/07/2022	26:30:45	मीन	शनि	मेष	19:01:05	मंगल	13/07/2027
शनि	25/02/2024	27:00:46	सिंह व	राहु व	कर्क	20:05:43	राहु	13/07/2030
बुध	26/07/2025	27:00:46	कुंभ व	केतु व	मक	20:05:43	गुरु	13/03/2033
केतु	24/02/2026	12:58:32	मक व	हर्ष व	मक	22:40:27	शनि	13/05/2036
शुक्र	26/10/2027	04:35:03	मक व	नेप व	मक	10:05:28	बुध	14/03/2039
सूर्य	26/04/2028	09:05:06	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:49:28	केतु	13/05/2040

लग्न-चलित

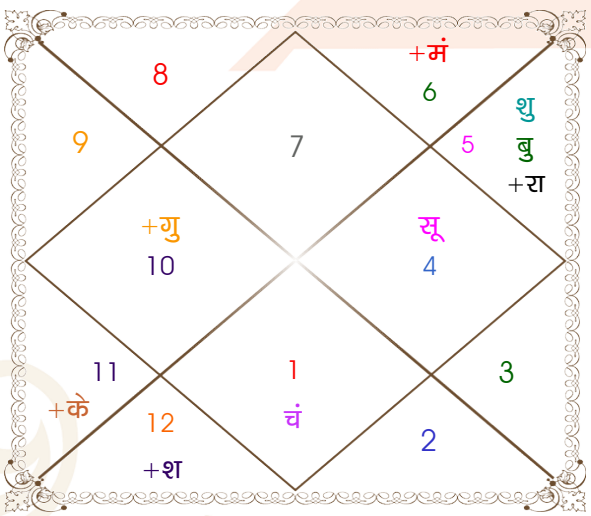

लग्न-चलित

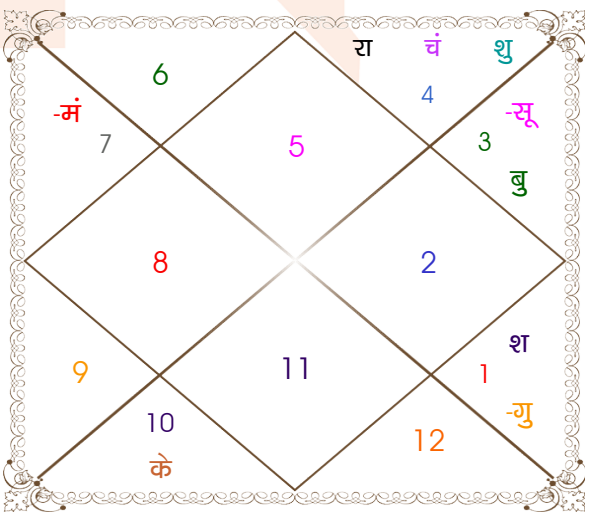

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Samarth jain का वर्ग मृग है तथा ौपअंदप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Samarth jain और ौपअंदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Samarth jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Samarth jain कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौपअंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ौपअंदप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौपअंदप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Samarth jain तथा ौपअंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।